

Gurugun Shattrinshtshatrinshika Kulak Part 03

Folder No.	022277
Granth Name	Gurugun Shattrinshtshatrinshika Kulak Part 03
Author	Ratnabodhivijay
Publisher	Jinshasan Aradhana Trust
Edition	1
Year	2014
Pages	402

गुरुगुणषट्त्रिंशत्षट्त्रिंशिकाकुलकम् भाग ०३

झोडर नं	०२२२७७
ग्रन्थ	गुरुगुणषट्त्रिंशत्षट्त्रिंशिकाकुलकम् भाग ०३
लेखक	रत्नभोषिविजय
प्रकाशक	जिनशासन आराधना ट्रस्ट
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२०१४
पृष्ठ	४०२

मुप्य टाईटल	
प्रकाशकीय	५
तस्मै श्री गुरवे नमः	६
सुकृत अनुमोदना	८
विषयानुक्रम	१२
यतुर्विंशतितमी षट्त्रिंशिका	१०७
योवीसमी छत्रीसी	१२५
पञ्चविंशतितमी षट्त्रिंशिका	१४८
पयीसमी छत्रीसी	१५७
षड्विंशतितमी षट्त्रिंशिका	१६३
छवीसमी छत्रीसी	१८६
सप्तविंशतितमी षट्त्रिंशिका	१०१
सत्यावीसमी छत्रीसी	१०६
अष्टाविंशतितमी षट्त्रिंशिका	११०
अष्ट्यावीसमी छत्रीसी	११३
एकोनत्रिंशत्तमी षट्त्रिंशिका	११५
ओगणुत्रीसमी छत्रीसी	१३८
त्रिंशत्तमी षट्त्रिंशिका	१५६
त्रीसमी छत्रीसी	१६४
अकत्रिंशत्तमी षट्त्रिंशिका	१६८
अकत्रीसमी छत्रीसी	१७७
द्वान्त्रिंशत्तमी षट्त्रिंशिका	१८१

अत्रीसमी छत्रीसी -----	८८७
त्रयस्त्रिंशत्तमी षट्त्रिंशदशका -----	८८३
तेत्रीसमी छत्रीसी -----	८८६
यतुस्त्रिंशत्तमी षट्त्रिंशदशका -----	८८८
योत्रीसमी छत्रीसी -----	१०१४
पञ्चत्रिंशत्तमी षट्त्रिंशदशिका -----	१०२५
पात्रीसमी छत्रीसी -----	१०३८
षट्त्रिंशत्तमी षट्त्रिंशदशिका -----	१०४८
छत्रीसमी छत्रीसी -----	१०५८
ग्रन्थान्तरगतगुरुगुणषट्त्रिंशदशिका -----	१०६८
अन्य ग्रन्थोमां अतावेव गुरुगुणछत्रीसीओ -----	११०६
ग्रन्थकारेण सर्वगुरुगुणप्रतिपादनासामर्थ्यप्रदर्शनम् -----	११३३
ग्रन्थकारे वडे अधा गुरुगुणोने समजववाना असामर्थ्यनुं प्रदर्शन कराववुं -----	११३४
ग्रन्थकारेण प्रस्तुत शास्त्रं कथं विरचितम् -----	११३५
ग्रन्थकारे प्रस्तुत शास्त्रे शी रीते रय्युं -----	११३७
प्रस्तुतकुलकोपसंसार -----	११३८
प्रस्तुत कुलकनो उपसंसार -----	११४०
प्रशस्ति -----	११४२
प्रशस्ति -----	११४४
परिशिष्टम्-१ गुरुगुणषट्त्रिंशत्तमीषट्त्रिंशदशिकाकुलकगतमूलवृत्तानां सूचि -----	११४७
परिशिष्टम्-२ गुरुगुणषट्त्रिंशत्तमीषट्त्रिंशदशिकाकुलकगतमूलवृत्तानामकारादिक्रमेण सूचि -----	११५०
परिशिष्टम्-३ गुरुगुणषट्त्रिंशत्तमीषट्त्रिंशदशिकाकुलकस्य प्रेमीयवृत्तिगतानामवतरणानां सूचि -----	११५२
परिशिष्टम्-४ गुरुगुणषट्त्रिंशत्तमीषट्त्रिंशदशिकाकुलकस्य प्रेमीयवृत्तिगतावतरणग्रन्थनाम्नां सूचि -----	११६८
परिशिष्टम्-५ गुरुगुणषट्त्रिंशत्तमीषट्त्रिंशदशिकाकुलकनी प्रेमीयावृत्तिना गुजराती भावानुवादमां लीधेवा अन्य ग्रन्थोना भावानुवादोनी सूचि -----	११७३